जिसने हसन और हुसैन से मुहब्बत की, उसने मुझसे मुहब्बत की और जिसने उन दोनों से दुश्मनी की, उसने मुझसे दुश्मनी की।

अबू हुरैरा -रज़ियल्लाहु अन्हु- कहते हैं कि नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने फ़रमायाः "जिसने हसन और हुसैन से मुहब्बत की, उसने मुझसे मुहब्बत की और जिसने उन
दोनों से दुश्मनी की, उसने मुझसे दुश्मनी की।" [सह़ीह़] [इसे इब्ने माजा ने रिवायत किया है । - इसे अह़मद ने रिवायत किया है।]

जिसने अल्लाह के नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के नवासों हसन एवं हुसैन से प्रेम रखा उसने अल्लाह के नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- से प्रेम रखा और जिसने उन दोनों से नफ़रत की उसने अल्लाह के नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- से नफ़रत की, अतः यह बात दोनों के मरतबे को दर्शाती है।

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/11173